प्रस्तावना

मुझे यह जानकर बेहद खुशी है कि हरियाणा पुलिस द्वारा यातायात संबंधी नियमों के बारे में जागरूकता लाने तथा भावी चालकों के ड्राइविंग कौशल को बढ़ाने के लिए यह ड्राइविंग मैनुअल तैयार किया गया है।

ड्राइविंग की समझ के अभाव और यातायात नियमों की निरंतर अवहेलना ने हमारी सड़कों को बेहद असुरक्षित बना दिया है। यह कोई कम आश्चर्य की बात नहीं है कि मोटर वाहन चालकों, पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों और यहाँ तक कि यातायात पुलिस कर्मियों को भी यातायात के नियमों की पर्याप्त जानकारी नहीं है। सुरक्षित ड्राइविंग की जानकारी के अभाव और यातायात के नियमों को भली–भाँति लागू न किया जाने के कारण आज सड़कों पर अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। भारत में हर साल 1,40,000 से अधिक व्यक्ति सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। केवल पिछले दशक में ही देश में सड़कों पर होने वाली मौतों में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्थिति की गंभीरता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के कुल वाहनों में से केवल एक प्रतिशत ही वाहन भारत में हैं जबकि विश्व में होने वाली कुल सड़क दुर्घटनाओं में से 10 प्रतिशत हादसे भारत में होते है।

चालक, वाहन और सड़कों की गुणवत्ता इन तीन कारकों पर सड़क सुरक्षा निर्भर करती है। इनमें से चालक की भूमिका सबसे अहम् है। ड्राइविंग कौशल का अभाव सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण है। बढ़ती जनसंख्या और आर्थिक समृद्धि के कारण चालकों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। जब तक भावी चालकों को ड्राइविंग का समुचित प्रशिक्षण तथा यातायात के नियमों की पर्याप्त जानकारी नहीं दी जाती, सड़क सुरक्षा की यह भयावह स्थिति नहीं सुधरेगी। अतएव सड़क पर अनुशासन लाने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वाहन चलाने का समुचित प्रशिक्षण दिया जाना और एक प्रभावी लाइसेसिंग प्रणाली को लागू करना अति आवश्यक है। इस ड्राइविंग मैनुअल का प्रकाशन नागरिकों के ड्राइविंग कौशल को सुधारने की दिशा में एक उत्कृष्ट प्रयास है। देश में अपनी तरह का यह पहला मैनुअल तैयार करने का श्रेय श्री शत्रुजीत कपूर, भा.पु.से., अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और उनकी टीम को है। अब उन्होंने अपार मेहनत और समय लगाकर इसका द्वितीय सस्करण तैयार किया है,जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

इस कार्य में मेरी शुभकामनाएँ सदैव इनके साथ हैं।

पुलिस महानिदेशक
हरियाणा।

विषय सूची

1. परिचय....4
   1.1. ड्राइविंग मैनुअल का उद्देश्य....4
2. ड्राइविंग लाइसेंस....5
   2.1. आयु संबंधी योग्यता....5
   2.2. ड्राइविंग लाइसेंस के प्रकार....5
   2.3. ड्राइविंग लाइसेंस के वर्ग....7
   2.4. प्रशिक्षु लाइसेंस प्राप्त करना....8
   2.5. ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया....9
   2.6. अंतर्राष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट (आई॰डी॰पी॰) प्राप्त करना....11
   2.7. ड्राइविंग लाइसेंस में और वाहन जोड़ना....12
   2.8. ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण....12
   2.9. डुप्लिकेट ड्राइविंग लाइसेंस....13
3. अपने वाहन को जानिए....14
   3.1 ब्रेक....14
   3.2 कलच व ऐक्सेलरेटर....14
   3.3 स्टीयरिंग व्हील....15
   3.4. हॉर्न....16
   3.5. लाइसेंस प्लेट....16
   3.6. साइलेंसर....17
   3.7. टायर....18
   3.8. वायुरोधी शीशा **(Windscreen)** तथा खिड़कियाँ....18
   3.9. विंडस्क्रीन वाइपर....18
   3.10. दिशा सूचक और स्टॉप लाइट....18
   3.11. रिफ्लेक्टर....19
   3.12. हैड लैम्प और रियर लैम्प....20
   3.13. पार्किंग लाइट....21
   3.14. लाल, सफेद, नीली लाइट या स्पॉट लाइट का उपयोग....21
   3.15. रियर–व्यू मिरर....22
   3.16. सीट बैल्टस और एयर–बैग....22
   3.17. प्रदूषण नियंत्रण....23
   3.18. वाहन पर क्या नहीं लगा होना चाहिए?....24
   3.19. अपने वाहन की नियमित जाँच करें....24
4. यातायात संकेत, सूचक और सड़क चिह्न....26
   4.1. संकेत....26
   4.2. ट्रैफिक लाइट....34
   4.3. यातायात पुलिस द्वारा हाथ के संकेत....36
   4.4. सड़क पर लगे चिह्न....37